UP Board Solutions for Class 6 Home Craft Chapter 12 धुलाई कला

धुलाई कला

अभ्यास

प्रश्न 1.
वस्तुनिष्ठ प्रश्न रिक्त स्थानों की पूर्ति करिए-
(क) रोगी व्यक्ति के कपड़ों को **गर्म** पानी में धोना चाहिए।
(ख) सफेद और रंगीन कपड़ों को **साथ-साथ** नहीं धोना चाहिए।
(ग) वस्तुओं में कड़ापन लाने के लिए **कलफ** लगाते हैं।
(घ) फटे वस्त्रों को धोने के **पूर्व** सिलना चाहिए।

प्रश्न 2.
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न
(क) वस्त्रों में सिकुड़न कैसे दूर करते हैं ?
उत्तर
वस्त्रों को प्रेस कर उनकी सिकुड़न दूर की जाती है।

(ख) वस्त्रों की नियमित धुलाई क्यों आवश्यक है ?
उत्तर
वस्त्र प्रयोग करने, पहनने आदि से गंदे हो जाते हैं। इस कारण वस्त्रों की नियमित धुलाई शारीरिक स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होती है।

प्रश्न 3.
लघु उत्तरीय प्रश्न
(क) वस्त्रों की धुलाई क्यों आवश्यक है ?
उत्तर
वस्त्रों की सफाई और दुर्गंध दूर करने के लिए, कपड़ों की सुंदरता, सुरक्षा के लिए और उत्तम स्वास्थ्य एवं व्यक्तित्व में निखार लाने हेतु वस्त्रों की धुलाई आवश्यक है।

(ख) सफेद कपड़ों में नील कैसे लगाते हैं ?
उत्तर
सफेद कपड़ों में नील लगाने से उनकी सफेदी में निखार आ जाता है। नील लगाने के लिए पानी में नील की आवश्यक मात्रा घोल लेते हैं। धुले कपड़े को नील में डुबो देते हैं तथा उलट-पलट कर कपड़ा शीघ्रता से घुमाते हैं। फिर निचोड़कर सूखने के लिए धूप में फैला देते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 4.
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(क) कपड़ा धोने के पूर्व किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?
उत्तर
कपड़े धोने से पूर्व निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिए

1. सफेद एवं रंगीन वस्त्रों को अलग-अलग धोएँ।
2. रोगी के वस्त्रों को अलग बर्तन में उबालकर, धोकर धूप में सुखाएँ।
3. फटे वस्त्रों को धोने से पूर्व मरम्मत कर लें।
4. दाग या धब्बा पहले छुड़ा लें।
5. कपड़ों में साबुन नहीं छोड़ना चाहिए।

(ख) कलफ किन-किन चीजों से बनाया जाता है एवं वस्त्रों में लगाने की विधि लिखिए ?
उत्तर
चावल, मैदा, अरारोट या साबूदाने को पानी में पकाकर कलफ बनाया जाता है। जिन कपड़ों में कलफ लगाना हो, उन्हें कलफ के पतले घोल में डुबोकर निचोड़ लें । यदि कपड़े सफेद हों और
उनमें नील तथा कलफ दोनों की आवश्यकता हो तो नील के घोल में ही कलफ डालकर कपड़े को डुबोएँ तथा तुरंत निचोड़कर फैला दें।

https://www.evidyarthi.in/